Roll No. ..... Total Pages: 04

4121

M. A. (Previous) EXAMINATION, 2018

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास (प्राचीन एवं मध्यकाल)

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड– अ

इकाई – I

प्र.1 (क) साहित्य–इतिहासकार 'मिश्र बंधुओं' का नामोल्लेख करें।

(ख) 'हठयोग' के प्रवर्तक का नाम लिखें।

इकाई – II

(ग) कबीर वाणी संग्रह 'बीजक' के भागों का नामोल्लेख करें।

(घ) 'चंदायन' रचना किस और नाम से लोक ख्यात है?

इकाई – III

(ड़) 'आरती कीजे हनुमान लला की' पद के रचयिता का नाम लिखें।

(च) कृष्ण भक्ति काव्य का आधार ग्रंथ कौनसा है?

इकाई – IV

(छ) 'रीतिकाल' का 'मिश्र बंधु' द्वारा क्या नामकरण किया गया?

(ज) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने रीतिकाल को किन वर्गों में विभक्त किया?

इकाई – V

(झ) ग्रियर्सन अनुसार किस रचना के समकक्ष यूरोप की कोई रचना साम्य नहीं पाती?

(ञ) 'अमिय हलाहल मद भरे, श्वेत श्याम रतनार' ख्यात पंक्ति के रचनाकार कौन हैं?

खण्ड– ब

इकाई – I

प्र.2 आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा प्रस्तुत काल विभाजन को स्पष्ट करें।

प्र.3 नाथपंथी काव्य की विशेषताओं को स्पष्ट करें।

इकाई – II

प्र.4 'भक्तिकाल के उदय' संबंधित मतों को स्पष्ट करें।

प्र.5 'पद्मावत' के रूपक तत्व को समझाइए।

इकाई – III

प्र.6 'तुलसी लोकनायक मान्य हैं'। व्याख्यायित करें।

प्र.7 'भ्रमगीत' परंपरा में 'सूर' प्रणीत 'भ्रमरगीत' का स्थान निर्धारित करें।

इकाई – IV

प्र.8 'रीतिकाल' के नामकरण विवाद की समीक्षा करें।

प्र.9 रीतिकाल का प्रवर्तक आचार्य किसे माना जाता है, सप्रमाण पुष्ट करें।

इकाई – V

प्र.10 'केशव को कवि ह्रदय नहीं मिला है।" मत की समालोचना करें।

प्र.11 'स्वच्छंदतावादी काव्य' का वैशिष्ट्य स्पष्ट करें।

खण्ड– स

इकाई – I

प्र.12 वीरगाथा काव्यों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

इकाई – II

प्र.13 संत काव्य परंपरा में 'कबीर' का स्थान निरूपित करें।

इकाई – III

प्र.14 "वात्सल्य और श्रृंगार के क्षेत्रों का जितना अधिक उद्घाटन सूर ने अपनी बंद आँखों से किया, उतना किसी और कवि ने नहीं, इन क्षेत्रों का कोना–कोना वे झाँक आए" कथन की विवेचना कीजिए।

इकाई – IV

प्र.15 हिन्दी में रीतिकाव्य का स्वरूप स्पष्ट करें।

इकाई – V

प्र.16 सर्वरस निरूपक आचार्य और उनके ग्रंथों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।